Result Mitra Daily Magazine

इटली स्विट्जरलैंड सीमा परिवर्तन

➢ हालिया संदर्भ :

- स्विट्जरलैंड एवं इटली सरकार अपनी राष्ट्रीय सीमा के एक हिस्से को फिर से बनाने पर सहमत हुए हैं, क्योंकि लगातार पिघलते ग्लेशियर ने ऐतिहासिक रूप से परिभाषित सीमा को स्थानांतरित कर दिया है।

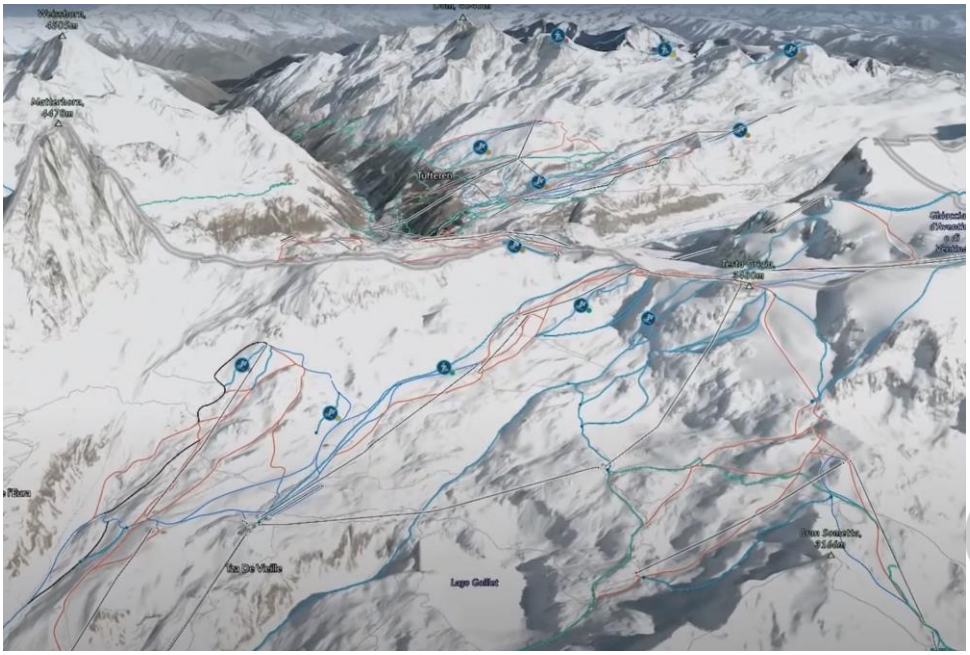

➢ निर्णायक मेल्टिंग :

- इटली एवं स्विट्जरलैंड के बीच सीमा का बड़ा हिस्सा ग्लेशियर, बर्फ के वाटरशेड एवं रिज लाइनों से बना है, लेकिन अभूतपूर्व मेल्टिंग (ग्लेशियर्स का पिघलना) प्रक्रिया ने रिज लाइनों में परिवर्तन कर सीमा को अनिश्चित कर दिया है।
- दोनों देश की एक सीमा मैटरहॉर्न पर्वत क्षेत्र में सीमांकित है, जिसे फिर से परिभाषित किया जाएगा।
- दोनों देश रोजा, कैरेल रिफ्यूज एवं गोवा–डि–रोलिन नामक सीमावर्ती क्षेत्र में परिवर्तन करने को सहमत हुए हैं।
- इस क्षेत्र में स्विट्जरलैंड का जर्मेट क्षेत्र इटली की एओस्टा घाटी से मिलता है, जो स्कीइंग के लिए प्रसिद्ध है और दोनों देशों की अर्थअवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

➢ आयोग की सिफारिश :

- दोनों देशों ने 2023 में संयुक्त रूप से जलवायु प्रभावों और सीमा पर उसके प्रभावों के आकलन के लिए एक आयोग गठित किया था, जिसने मई में सीमा को पुनर्निमित करने की सिफारिश की।
- स्विस सरकार ने इस पर हस्ताक्षर कर दिए हैं और इटली भी जल्द ही ऐसा करेगा।

➢ रिकॉर्डतोड़ गर्मी :

- ग्लोबल वार्मिंग का सर्वाधिक असर यूरोप के कुछ क्षेत्रों में देखा जा रहा है।
- यूरोप दुनिया में सबसे तेजी से गर्म होने वाला महादेश है, जो इसके खाद्य–सुरक्षा, पारिस्थितिकी तंत्र, बुनियादी ढांचे, जल–संसाधन, सार्वजनिक स्वास्थ्य आदि को प्रभावित कर रहा है।
- पर्यावरणविदों के अनुसार, भविष्य में यूरोप में सुखा, गर्मी, बाढ़ एवं जंगल की आग की घटनाएं तेजी से बढ़ेगी, जो पूरे महाद्वीप में निवासियों पर गहरा प्रभाव डालेगा।
- पिछले कुछ वर्षों में रिकॉर्ड स्तर पर ग्लेशियर पिघल रहे हैं और 21वीं सदी में यूरोप ने अविश्वसनीय मात्रा में ग्लेशियर खो दिए हैं।

➢ हिमालय का संकट :

- हाल के वर्षों में हिंदूकुश हिमालय (HKH) भी बढ़ते तापन के कारण अभूतपूर्व ग्लेशियर पिघलने का सामना कर रहा है, जिसने इस क्षेत्र में आजीविका, जल सुरक्षा एवं पारितंत्र को असुरक्षित कर दिया है।
- एक रिपोर्ट के अनुसार, ग्लोबल वार्मिंग के 1.5^{0}C तक सीमित रहने पर भी HKH वर्ष 2100 तक 36% ग्लेशियर खो देगा और अगर यह सीमा 2^{0}C तक पहुंच जाती है, तो नुकसान 50% तक बढ़ सकता है।
- इतनी ज्यादा मात्रा में बर्फ के पिघलने से न केवल ग्लेशियर बर्स्ट फ्लड आ सकता है, बल्कि कई हिमालयी नदियों का प्रवाह भी बाधित होगा।

➢ मैटरहॉर्न :

- यह इटली एवं स्विट्जरलैंड के बीच प्राकृतिक सीमा बनाता है।
- यह आल्प्स पर्वत श्रृंखला की एक चोटी है, जिसकी ऊंचाई 4478 मीटर है।
- यह क्षेत्र यूरोपवासियों के लिए एक प्रमुख पर्यटन स्थल है।

➢ आल्प्स :

Result Mitra

- यह यूरोप की सबसे बड़ी पर्वतमाला है, जो मध्य के 8 देशों में विस्तृत है।
- पश्चिम से पूर्वोत्तर क्षेत्र में विस्तृत इस पर्वत श्रृंखला की कुल लंबाई 1200 km है।
- इस श्रृंखला की सबसे ऊंची पर्वत चोटी माउंट ब्लैंक है, जो जर्मनी में स्थित है।

➢ सीमावर्ती देश :

- फ्रांस, ऑस्ट्रिया, स्लोवेनिया
- जर्मनी, स्वीटजरलैंड, इटली
- लिक्टेंश्टाईन, मोनाको
- इस पर्वत श्रृंखला का निर्माण अफ्रीकी एवं यूरोपीय प्लेटों के टकराने से हुआ।
- यूरोप की सबसे ऊंची पर्वत चोटी माउंट एलब्रुस है, जो रूस–गर्जिया सीमा पर स्थित है और यह काकेशस पर्वत श्रृंखला का भाग है।

➢ स्विट्जरलैंड के सीमावर्ती देश :

1. ऑस्ट्रिया
2. इटली
3. फ्रांस
4. लिक्टेंश्टाईन
5. जर्मनी

➢ इटली के सीमावर्ती देश :

1. ऑस्ट्रिया
2. होली सी
3. सैन मैरिनो
4. स्लोवेनिया
5. स्विट्जरलैंड

Result Mitra TM